खास-खबरें

मछली पकड़ने गए मछुआरे की लखुंदर नदी में डूबने से मौत, 12 घंटे के रेस्क्यू के बाद मिला शव

नईदुनिया, प्रतिनिधि, शाजापुरः लालघाटी थाना क्षेत्र के अंतर्गत जादमी पुलिया के पास लखुंदर नदी में मछली का शिकार करने गए एक मछुआरे की गहरे पानी में डूबने से मौत हो गई। घटना के बाद हरकत में आई पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने सघन सर्चिंग अभियान चलाया और करीब 12 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद शनिवार शाम को शव नदी से बरामद कर लिया। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, शहर के भोईवाड़ा निवासी 45 वर्षीय उमराव सिंह केवट शुक्रवार सुबह घर से मछली पकड़ने के लिए निकले थे। देर शाम तक जब वे वापस नहीं लौटे, तो चिंतित परिजनों ने घाटों पर उनकी तलाश शुरू की। इसी बीच लखुंदर नदी के किनारे पर उनकी साइकिल, कपड़े और चप्पलें लावारिस हालत में रखी मिलीं। नदी किनारे सामान मिलने से किसी अनहोनी की आशंका के चलते परिजनों ने फौरन लालघाटी पुलिस को सूचना दी। इसके बाद शनिवार को एसडीआरएफ की मदद से संयुक्त रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया।

अधिक मास में 1008 नामों से हुआ हरि-हर महाअर्चन

नईदुनिया, प्रतिनिधि, गंजबासौदाः सनातन परंपरा में विशेष महत्व रखने वाले अधिक मास के अवसर पर काल भैरव श्री राममानस पीठ मंदिर में हरि-हर पूजन एवं महाअर्चन का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम जगतगुरु स्वामी राम कमलाचार्य वेदांती जी महाराज की प्रेरणा एवं कृपा से उनके शिष्य संत सर्वेशदास महाराज के सानिध्य में आयोजित किया गया। अनुष्ठान में काशी से आए विद्वान ब्राह्मणों ने वैदिक विधि-विधान के साथ भगवान विष्णु एवं भगवान शिव का पूजन-अर्चन कराया। इस दौरान 1008 सहस्त्रनामावली के माध्यम से हरि और हर का विशेष महाअभिषेक एवं महाअर्चन संपन्न हुआ। वेद मंत्रों, शंखध्वनि और घंटानाद से मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो गया। संत सर्वेशदास महाराज ने कहा कि अधिक मास भगवान विष्णु को समर्पित माना जाता है, वहीं इस अवधि में भगवान शिव की आराधना का भी विशेष महत्व है। उन्होंने कहा कि हरि और हर की संयुक्त उपासना सनातन धर्म में समन्वय, एकता और आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक है।

पार्षद विजय राजौरे एवं संतोष राय का जन्मदिन धूमधाम से मनाया

नईदुनिया, प्रतिनिधि, बरेलीः नगर में प्रदेश कांग्रेस के नगरी निकाय प्रकोष्ठ के उपाध्यक्ष एवं लंबे समय से पार्षद पद पर कार्यरत विजय राजौरे तथा प्रतिष्ठित समाजसेवी संतोष राय का जन्मदिन धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर नगर के विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए गए, जहां समर्थकों, मित्रों एवं क्षेत्रवासियों ने केक काटकर और पुष्पमालाएं पहनाकर दोनों को शुभकामनाएं दीं। विजय राजौरे को उनके सरल, मिलनसार एवं जनसेवी व्यक्तित्व के लिए जाना जाता है। वे पिछले लगभग 20 वर्षों से पार्षद पद की जिम्मेदारी का निर्वहन कर रहे हैं और नगर के विकास कार्यों, सामाजिक गतिविधियों एवं धार्मिक आयोजनों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। जन्मदिन के अवसर पर उनके निवास सहित विभिन्न स्थानों पर बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और उनके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु जीवन की कामना की।

रहवासियों के सहयोग से कोयला फाटक-कंठाल मार्ग का चौड़ीकरण अंतिम दौर में

नईदुनिया प्रतिनिधि, उज्जैनः सिंहस्थ 2028 के महाआयोजन से पहले धार्मिक नगरी उज्जैन की तस्वीर पूरी तरह बदलने लगी है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप और सरकार से मिले विशेष बजट के दम पर शहर के अंदरूनी रास्तों को संवारने का काम सुपरस्पीड से चल रहा है। इसी सिलसिले में कोयला फाटक चौराहे से लेकर कंठाल चौराहे तक की सड़क को चौड़ा करने का चुनौतीपूर्ण काम अब पूर्णता की ओर पहुंच गया है। रविवार की छुट्टी के दिन भी नगर निगम कमिश्नर अभिलाष मिश्रा पूरी टीम के साथ मैदान में उतरे और इस रूट का बारीकी से मुआयना किया। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि इलाके के रहवासियों के बेमिसाल और सकारात्मक सहयोग की वजह से ही यह बड़ा काम इस मुकाम तक पहुंच पाया है। जनता और प्रशासन के इस अनूठे तालमेल की हर तरफ सराहना हो रही है।

पं. कुमार गंधर्व समारोह का हुआ भव्य समापन, शास्त्रीय संगीत से सजी सुरमयी संध्या

नईदुनिया, प्रतिनिधि, देवासः उस्ताद अलाउद्दीन खाँ संगीत एवं कला अकादमी, संस्कृति विभाग, जिला प्रशासन, नगर निगम देवास तथा पं. कुमार गंधर्व प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय पं. कुमार गंधर्व समारोह का रविवार को भव्य समापन हुआ। मल्हार स्मृति मंदिर में आयोजित समारोह के अंतिम दिन शास्त्रीय संगीत की उत्कृष्ट प्रस्तुतियों ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम की शुरुआत इंदौर की गायिका पूर्वी निमगांवकर ने राग रागेश्री की प्रस्तुति से की। इसके बाद दिल्ली के गायक डॉ. अविनाश कुमार ने राग मारु बिहाग, ठुमरी और मराठी अभंग प्रस्तुत कर सराहना बटोरी। समारोह की अंतिम प्रस्तुति में पं. अतुल उपाध्ये और पं. विवेक सोनार ने वायलिन और बांसुरी की मनोहारी जुगलबंदी से संगीत प्रेमियों को भावविभोर कर दिया।

समूह लोन की आड़ में बढ़ रहा कर्ज का जाल

माइक्रो फाइनेंस कंपनियों की कार्यप्रणाली पर उठे सवा

नईदुनिया प्रतिनिधि, भैरूंदाः तहसील क्षेत्र में निजी माइक्रो फाइनेंस कंपनियों का दायरा लगातार बढ़ता जा रहा है। गांव-गांव सक्रिय एजेंटों के माध्यम से किसानों, मजदूरों और महिलाओं को समूह लोन के नाम पर ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। हालांकि हाल के दिनों में इन कंपनियों की कार्यप्रणाली को लेकर कई सवाल खड़े होने लगे हैं। ऊंची ब्याज दर, वसूली के तौर-तरीकों और दस्तावेजी प्रक्रिया में अनियमितताओं को लेकर शिकायतें सामने आ रही हैं।

जानकारी के अनुसार क्षेत्र में समूह बनाकर 50 हजार रुपये से लेकर लाखों रुपये तक के ऋण स्वीकृत किए जा रहे हैं। आधार कार्ड, वोटर आईडी और बैंक पासबुक जैसे दस्तावेजों के आधार पर त्वरित लोन उपलब्ध कराने का दावा किया जाता है। इसके बाद नियमित किश्तों की वसूली शुरू हो जाती है। कई लाभार्थियों का कहना है कि किश्तों में देरी होने पर अतिरिक्त ब्याज और पेनल्टी

जोड़ दी जाती है, जिससे कर्ज का बोझ बढ़ता जाता है।

समूह लोन प्रणाली में एक सदस्य की किश्त बकाया रहने पर पूरे समूह पर भुगतान का दबाव बनाया जाता है। इससे समूह में शामिल महिलाओं और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई मामलों में सिबिल स्कोर प्रभावित होने से बैंक ऋण और अन्य वित्तीय सुविधाएं प्राप्त करने में भी कठिनाई आ रही है।

क्षेत्र में कुछ एजेंटों पर फर्जी दस्तावेजों के आधार पर ऋण स्वीकृत कराने के आरोप भी लगाए जा रहे हैं। स्थानीय स्तर पर ऐसी शिकायतें सामने आई हैं कि कई बार लाभार्थियों को पूरी जानकारी दिए बिना उनके नाम पर ऋण स्वीकृत कर दिया जाता है। साथ ही प्रोसेसिंग फीस और अन्य शुल्कों के नाम पर अतिरिक्त राशि वसूले जाने की भी शिकायतें मिल रही हैं।

जानकारों का मानना है कि माइक्रो फाइनेंस गतिविधियों की नियमित निगरानी, दस्तावेजों का सत्यापन और वित्तीय जागरूकता अभियान आवश्यक हैं, ताकि संभावित अनियमितताओं पर अंकुश लगाया जा सके। विशेषज्ञों ने लोगों से अपील की है कि किसी भी प्रकार का ऋण लेने से पहले उसकी शर्तों, ब्याज दर, शुल्क और भुगतान प्रक्रिया की पूरी जानकारी अवश्य प्राप्त करें तथा बिना पढ़े किसी दस्तावेज पर हस्ताक्षर न करें।

थाना प्रभारी घनश्याम दांगी ने बताया कि माइक्रो फाइनेंस कंपनियों से संबंधित विस्तृत जानकारी प्रशासनिक स्तर पर उपलब्ध हो सकती है। वहीं क्षेत्र में संचालित कंपनियों और उनकी गतिविधियों को लेकर स्पष्ट आंकड़ों की आवश्यकता भी महसूस की जा रही है।

चरक अस्पताल में खुले तारों से बच्ची को लगा करंट

उज्जैन। शहर के चरक भवन अस्पताल में प्रबंधन की गंभीर लापरवाही का मामला सामने आया है, जहां पार्किंग क्षेत्र में खुले बिजली के तारों की चपेट में आने से एक तीन वर्षीय मासूम बच्ची को करंट लग गया। गनीमत रही कि समय रहते बच्ची को बचा लिया गया और कोई गंभीर हादसा नहीं हुआ। जानकारी के अनुसार बड़नगर निवासी वर्षा को प्रसव के लिए चरक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनके साथ उनकी तीन वर्षीय पुत्री खावीश भी अस्पताल परिसर में मौजूद थी। रविवार को बच्ची पार्किंग क्षेत्र में खेलते समय वहां लगे बिजली के खंभे के संपर्क में आ गई, जिसमें लंबे समय से खुले और नंगे तार झूल रहे थे। जैसे ही बच्ची का हाथ खंभे से टकराया, उसे जोरदार करंट का झटका लगा, जिससे परिसर में अफरा-तफरी मच गई। मौजूद लोगों ने तत्काल बच्ची को बचाया, जिससे एक बड़ी अनहोनी टल गई। प्रत्यक्षदर्शियों और परिजनों का कहना है कि अस्पताल परिसर के ऐसे संवेदनशील क्षेत्र में खुले तारों का होना गंभीर लापरवाही है, क्योंकि यहां रोजाना बड़ी संख्या में मरीज, परिजन और बच्चे मौजूद रहते हैं। घटना के बाद मरीजों के परिजनों में अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ आक्रोश देखा गया।

बेतवा नदी स्वच्छता अभियान का 35वां चरण संपन्न

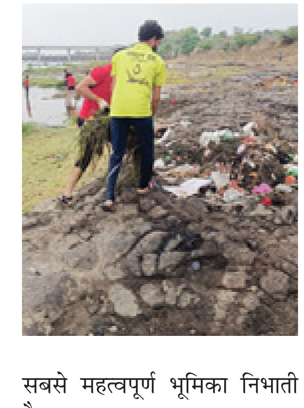

नईदुनिया प्रतिनिधि, गंजबासौदाः बेतवा नदी के संरक्षण और स्वच्छता के लिए संचालित साप्ताहिक श्रमदान अभियान 5.0 के अंतर्गत 35वें चरण का नदी जल स्वच्छता कार्यक्रम उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। अभियान की विशेषता यह रही कि लगातार दूसरे सप्ताह नए युवाओं ने इसमें सहभागिता कर नदी संरक्षण के प्रति बढ़ती सामाजिक जागरूकता का परिचय दिया।

प्रातःकाल आयोजित श्रमदान कार्यक्रम में अमृता सिंह, ईशु शर्मा, पराग, सुमित जाट, भविष्य तिवारी, अंकुर राजपूत, हिरेन्द्र यादव और बलवीर सिंह गुर्जर सहित अन्य स्वयंसेवकों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। श्रमदान के दौरान नदी तट और घाट क्षेत्र में फैली गंदगी को हटाया गया तथा प्लास्टिक एवं अन्य अपशिष्ट सामग्री एकत्र कर स्वच्छता का संदेश दिया गया।

अभियान से जुड़े युवाओं ने बताया कि हाल के सप्ताहों में लोगों, विशेषकर युवाओं की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। यह संकेत है कि अब नदी संरक्षण केवल कुछ व्यक्तियों तक सीमित न रहकर जनआंदोलन का स्वरूप ले रहा है। उनका कहना है कि पर्यावरण संरक्षण और जल स्रोतों की सुरक्षा के लिए जनसहभागिता सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

अभियान के आयोजकों ने कहा कि सीमित संसाधनों के बावजूद सामूहिक प्रयास और दृढ़ संकल्प के माध्यम से सकारात्मक परिवर्तन संभव है। बेतवा नदी की स्वच्छता के लिए चल रहा यह अभियान न केवल नदी संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि समाज में पर्यावरणीय चेतना जागृत करने का भी प्रभावी माध्यम बन रहा है।

श्रमदान दल ने आगामी सप्ताहों में भी अभियान को निरंतर जारी रखने का संकल्प व्यक्त करते हुए लोगों से अधिक से अधिक संख्या में जुड़ने की अपील की। उनका मानना है कि नदी संरक्षण से ही पर्यावरण संतुलन और आने वाली पीढ़ियों का भविष्य सुरक्षित रह सकेगा।

सुरक्षित आहार से ही स्वस्थ समाज और सुरक्षित भविष्य का निर्माण संभव

नईदुनिया प्रतिनिधि, सीहोरः जैसा खाओगे अन्न, वैसा होगा मन एक बेहद प्राचीन और वैज्ञानिक सत्य है, भोजन केवल पेट भरने का साधन नहीं, बल्कि हमारे विचारों, मानसिक शांति और ऊर्जा का मुख्य स्रोत है। सात्विक आहार शरीर को स्वस्थ और मन को शांत, स्थिर व सकारात्मक बनाता है। उक्त विचार शहर के सैकड़ाखेड़ा स्थित संकल्प नशा मुक्ति केन्द्र में श्रद्धा भक्ति सेवा समिति के तत्वाधान में जारी दो दिवसीय विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस के अवसर पर दो दिवसीय विचार गोष्ठी के पहले दिन संस्कार मंच के प्रभारी मनोज दीक्षित मामा ने संबोधित किया। इस मौके पर सर्व प्रथम यहां पर मौजूद केन्द्र की ओर से आनंद व्यास ने मंच के सह प्रभारी धर्मेन्द्र माहेश्वरी और सनातन सेना के प्रदेश सचिव पवन केवट आदि ने अपने विचार रखे। मंच के सह प्रभारी श्री माहेश्वरी ने कहाकि सुरक्षित और पौष्टिक आहार ही एक स्वस्थ, सक्षम और समृद्ध समाज की नींव है, यह केवल बीमारियों से बचाता ही नहीं है, बल्कि देश के भविष्य और मानव पूंजी के विकास में भी सबसे बड़ी भूमिका निभाता हैरासायनिक खाद और कीटनाशकों के बजाय जैविक और प्राकृतिक कृषि को अपनाने से भोजन की गुणवत्ता और भूमि की उर्वरता सुरक्षित रहती है। मानव जीवन की आधारशिला भोजन है, पर भोजन तभी जीवनदायी बनता है जब वह सुरक्षित, स्वच्छ और पोषणयुक्त हो। अन्न केवल शरीर की भूख मिटाने का साधन नहीं, बल्कि सभ्यता, संस्कृति, स्वास्थ्य और मानव अस्तित्व का मूलाधार है। यदि भोजन ही रोगों का वाहक बन जाए, तो वह अमृत के स्थान पर विष का कार्य करने लगता है।

कलेक्टर ने फार्मर आईडी निर्माण कार्य में तेजी लाने के दिए निर्देश

सीहोर। कलेक्टर बालागुरु के. ने सभी राजस्व अधिकारियों को किसानों की फार्मर आईडी बनाने के कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए किसानों के पास फार्मर आईडी होना आवश्यक है। इसकी प्राथमिकता को देखते हुए जिले के सभी पात्र किसानों की फार्मर आईडी समय-सीमा में बनाना सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर ने कहा है कि जिले में भ्रमण के दौरान यह देखा गया कि फॉर्मर आईडी बनाने का कार्य अपेक्षित गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है।

उन्होंने सभी राजस्व अधिकारियों एवं पटवारियों को निर्देशित किया है कि फार्मर आईडी निर्माण कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करें। कलेक्टर ने चेतावनी दी है कि यदि कार्य की गति में सुधार नहीं लाया गया तो संबंधितों के विरूद्ध कार्यवाही की जाएगी। फार्मर आईडी नहीं होने से किसानों को योजनाओं का लाभ मिलने में कठिनाई हो सकती है। कलेक्टर ने सभी किसानों से अपील की है कि वह फार्मर आईडी अवश्य बनवाएं।

नपा में भ्रष्टाचार के आरोपः अध्यक्ष और विपक्ष दोनों ने उठाए सवाल

नईदुनिया प्रतिनिधि, शाजापुरः शहर के विकास की जिम्मेदारी संभालने वाली शाजापुर नगरपालिका इन दिनों गंभीर आरोपों और राजनीतिक टकराव के केंद्र में आ गई है। स्थिति यह है कि केवल विपक्ष ही नहीं, बल्कि स्वयं नगरपालिका अध्यक्ष भी प्रशासनिक कार्यप्रणाली और अधिकारियों की कार्यशैली पर सवाल उठा रहे हैं।

कांग्रेस नेताओं द्वारा आयोजित प्रेस वार्ता में नगर पालिका में कथित भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के कई आरोप लगाए गए। कांग्रेस पार्षद दल के नेता प्रतिपक्ष अजीज मंसूरी ने आरोप लगाया कि आवारा कुत्तों की नसबंदी के नाम पर बिना वास्तविक कार्य के लगभग 17 लाख रुपये का भुगतान कर दिया गया। साथ ही वाहनों के मीटर बंद कर डीजल-पेट्रोल बिलों में अनियमितताओं का आरोप भी लगाया गया।

नेताओं ने यह भी दावा किया कि करोड़ों रुपये की सीवरेज और नर्मदा जल योजना में घटिया निर्माण सामग्री के उपयोग के कारण कई स्थानों पर लाइनें चोक हो गई हैं, जिससे शहर की व्यवस्था प्रभावित हुई है। सड़क चौड़ीकरण और अन्य विकास कार्यों में भी अनियमितताओं के आरोप लगाए गए हैं।

इधर, नगर पालिका अध्यक्ष प्रेम जैन ने भी सीएमओ भूपेंद्र दीक्षित के खिलाफ नाराजगी जताते हुए प्रशासनिक कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि ठेकेदारों और सप्लायरों के गठजोड़ के कारण विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं और कई महत्वपूर्ण योजनाएं फाइलों में अटकी हुई हैं।

अध्यक्ष ने यह भी कहा कि स्ट्रीट लाइट, पार्कों का रखरखाव, नालियों की सफाई और चौलर नदी की मरम्मत जैसे बुनियादी कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने मामले की शिकायत मुख्यमंत्री, नगरीय प्रशासन मंत्री तथा स्थानीय जनप्रतिनिधियों से करने की बात कही है।

इस पूरे मामले को लेकर अब नगरपालिका की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं और शहर में विकास कार्यों की धीमी गति को लेकर नागरिकों में भी नाराजगी देखी जा रही है।

बच्चों के समुचित विकास के लिए उपयुक्त पूरक आहार आवश्यकः डॉ. जैन

नईदुनिया प्रतिनिधि, विदिशाः पूरक आहार दिवस 6 जून के अवसर पर इंडियन अकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स एवं शिशु विभाग अटल बिहारी बाजपेयी मेडिकल कॉलेज विदिशा के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित संगोष्ठी में विदिशा आईएपी अध्यक्ष डॉ एम के जैन ने बताया कि 6 माह की उम्र के पश्चात बच्चों को उनके समुचित शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास तथा भविष्य के उज्ज्वल भविष्य और कुपोषण रोकने के लिए स्तनपान के साथ साथ अतिरिक्त आहार के रूप मे पूरक आहार कॉम्प्लिमेंटरी फीडिंग अन्न परोषण के रूप में शुरू करना चाहिए ,जो हमारे घरों का बना शुद्ध और पौष्टिक भोजन होता हैं देना चाहिए ,ताकि बच्चे सर्वांगीण विकास की ओर अग्रसर हो सके।

इस पूरक आहार कैंपेन को सपोर्ट करने के लिए आइएपी इन्फेंट एंड यंग चाइल्ड फीडिंग

टीम ने खास तौर पर एजुकेशनल फ्लायर और जागरूकता मटीरियल की एक सीरीज बनाने में भारतीय शिशु अकेडमी की राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. नीलम मोहन, और उनकी सहयोगी टीम के डॉ. रूपा बेलार्ड, डॉ. शैलजा माने और डॉ. प्रशांत करिया का महत्वपूर्ण योगदान मिला है।

डॉ शरद गेडाम ने बताया कि कॉम्प्लिमेंट्री फीडिंग डे 6 जून को मनाया जाता है और 6 माह की उम्र से 80 प्रतिशत स्तनपान तथा 20 प्रतिशत पूरक आहार से प्रारम्भ करना और एक साल की उम्र तक 20 प्रतिशत स्तन पान तथा 80 प्रतिशत पूरक आहार तथा 2 साल की उम्र तक 90 प्रतिशत पूरक आहार तथा 10 प्रतिशत स्तनपान देना चाहिए।

आईएपी विदिशा शाखा के सचिव डॉ सुरेंद्र सोनकर, आईएपी विदिशा के कोषाध्यक्ष डॉ दीपक उइके ने भी अवसरानुकूल संबोधन दिया। शिशु विभाग के सीनियर रेसिडेंट आईएपी सदस्य डॉ कौस्तुभ पांडे के नेतृत्व में शिशु विभाग के पीजी डॉक्टर द्वारा पूरक आहार के महत्व को दर्शाने वाली लघु नाटिका का भी मंचन भी किया गया। संगोष्ठी में नर्सिंग सिस्टर, बच्चे और उनके परिजन , जूनियर डॉक्टर्स, सीनियर रेज़िडेंट, और आईएपी सदस्य डॉ कौस्तुभ पांडे , डॉ पीयूषा , डॉ राजवीर , डॉ कुहू और डॉ प्रदीप सम्मिलित हुए।

श्रीमद्भागवत महापुराण कथा का भावपूर्ण समापन

बरेली। नगर की पावन नर्सिंह टेकरी पर आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत महापुराण कथा ज्ञान यज्ञ का रविवार को भक्तिभाव और धार्मिक उल्लास के बीच भव्य समापन हो गया। एक जून से प्रारंभ हुई इस दिव्य कथा का रसपान करने के लिए प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु कथा स्थल पर पहुंचते रहे। सात दिनों तक पूरा क्षेत्र श्रीहरि के नाम, भजन-कीर्तन और धार्मिक प्रवचनों से गुंजायमान रहा। परम पूज्य श्री श्री 108 ब्रह्मचारी जी महाराज ने अपने श्रीमुख से श्रीमद्भागवत महापुराण के अमृतमय प्रसंगों का ऐसा भावपूर्ण वर्णन किया कि श्रद्धालु भक्ति भाव में डूब गए। कथा के दौरान भगवान श्रीकृष्ण के अवतार, बाल लीलाएं, गोवर्धन धारण, भक्तों के प्रति उनकी करुणा तथा श्रीराधा-कृष्ण के दिव्य प्रेम का अत्यंत मार्मिक वर्णन किया गया। महाराज श्री ने कहा कि कलियुग में श्रीमद्भागवत कथा और भगवान के नाम का स्मरण ही मनुष्य के जीवन को सफल और सार्थक बनाता है।

पंजीयन की धीमी रफ्तार से मूंग किसानों की बढ़ी चिंता

नईदुनिया प्रतिनिधि, भैरूंदाः मूंग खरीदी की सरकारी घोषणा के बावजूद क्षेत्र के किसानों की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। एक ओर लगातार हो रही बारिश से खेतों और खलिहानों में रखी फसल प्रभावित हो रही है, तो दूसरी ओर खरीदी के लिए आवश्यक पंजीयन और गिरदावरी की धीमी प्रक्रिया किसानों की चिंता बढ़ा रही है।

भैरूंदा तहसील में इस वर्ष करीब 42 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में मूंग की खेती की गई थी। इनमें से लगभग 70 प्रतिशत फसल की कटाई हो चुकी है, लेकिन लगातार वर्षा के कारण कई खेतों में जलभराव की स्थिति बन गई है। खलिहानों में रखी फसल भी नमी की चपेट में आ रही है, जिससे दानों का रंग प्रभावित होने लगा है और बाजार में उनकी कीमतों पर असर पड़ रहा है।

भैरूंदा कृषि उपज मंडी में अब तक लगभग 18 हजार क्विंटल मूंग की आवक दर्ज की गई है। हालांकि किसानों को समर्थन मूल्य 8768 रुपये प्रति क्विंटल के मुकाबले 6700 से 7800 रुपये प्रति क्विंटल तक के भाव ही मिल पा रहे हैं। बारिश और खरीदी प्रक्रिया को लेकर बनी अनिश्चितता के कारण कई किसान कम कीमत पर उपज बेचने को मजबूर हैं।

किसानों की सबसे बड़ी समस्या पंजीयन और गिरदावरी की समय-सीमा को लेकर सामने आ रही है। मूंग पंजीयन की अंतिम तिथि 15 जून निर्धारित है, जबकि गिरदावरी का कार्य 5 जुलाई तक चलना है। ऐसे में कई किसानों का कहना है कि गिरदावरी पूरी नहीं होने से उनका पंजीयन नहीं हो पा रहा है और वे सरकारी खरीदी से वंचित होने की आशंका जता रहे हैं। लगातार बारिश के कारण राजस्व अमले को भी गिरदावरी कार्य में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

स्पेशल खबर 13 जून को शिवभक्ति का महासागर उमड़ेगा, भक्ति की ऐसी शाम, जब हर घर बनेगा शिवालय

अधिकमास पर आयोजन, शाम सात बजे घर बैठे करें पार्थिव शिवलिंग अभिषेक

नईदुनिया प्रतिनिधि, सीहोरः पुरुषोत्तम मास की पावन शिवरात्रि इस वर्ष एक ऐतिहासिक आध्यात्मिक पर्व का साक्षी बनने जा रही है। 13 जून की संध्या केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं होगी, बल्कि करोड़ों हृदयों को शिवभक्ति के सूत्र में पिरोने वाला एक दिव्य क्षण बनेगी। अंतराष्ट्रीय कथावाचक भागवत भूषण पंडित प्रदीप मिश्रा (सीहोर वाले) के सानिध्य में कुबेरेश्वर धाम से आयोजित ऑनलाइन शिव महारुद्राभिषेक महोत्सव के माध्यम से देश-विदेश के लाखों श्रद्धालु एक साथ भगवान भोलेनाथ की आराधना करेंगे। जब एक ही समय पर लाखों हाथ अभिषेक करेंगे और लाखों कंठों से भगवान शिव के मंत्रों का उच्चारण होगा, तब वातावरण शिवमय हो उठेगा। अंतर्राष्ट्रीय वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा की कथा उत्तरप्रदेश के बलिया में आयोजित की जाएगी। कथा के समापन के पश्चात रात्रि को देश और विदेश में एक साथ ऐतिहासिक महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। वहीं जिला मुख्यालय के समीपस्थ कुबेरेश्वरधाम पर हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं के द्वारा विशेष पूजा अर्चना की जा रही है। शनिवार को छह क्विंटल से अधिक मिठाई का वितरण किया गया। विठलेश सेवा समिति की ओर से पंडित विनय मिश्रा, पंडित समीर शुक्ला सहित अन्य ने यहां पर आने वाले श्रद्धालुओं को प्रसादी का वितरण किया।

पंडित मिश्रा का कहना है कि इस महाआयोजन का मूल संदेश है घर-घर शिवलिंग, हर घर शिवलिंग। यह केवल एक नारा नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति को प्रत्येक परिवार तक पहुंचाने का विराट अभियान बन चुका है। श्रद्धालु अपने घरों में शिवलिंग स्थापित कर विधि-विधान से भगवान शिव का अभिषेक करेंगे। इस अनूठे प्रयास ने लाखों परिवारों को एक साथ जोड़ दिया है, जहां हर मंदिर बनेगी और परिवार भक्ति का केंद्र बनेगा। आयोजन का सीधा प्रसारण आस्था चैनल, यूट्यूब और फेसबुक पर किया जाएगा। तकनीक और अध्यात्म के इस अद्भुत संगम से दूर-दराज के गांवों, शहरों और विदेशों में रहने वाले भक्त भी अपने घरों में बैठकर इस पुण्य अवसर का हिस्सा बन सकेंगे।

श्रद्धालुओं से पहले से शिवलिंग स्थापित करने और पूजन सामग्री तैयार रखने का आग्रह किया गया है। महारुद्राभिषेक के लिए शमीपत्र, बेलपत्र, 11 साबुत चावल के दाने, कनेर का पुष्प तथा गुड़ या शक्कर मिश्रित कच्चा दूध रखने की सलाह दी गई है। इसके अलावा दूध, दही, घी, शहद, शक्कर, चंदन, इत्र, सुपारी, रोली, चावल, मोली, कपूर, दीपक, धूप, फल, मिठाई और पुष्प आदि सामग्री भी अभिषेक में उपयोग की जाएगी। मीडिया प्रभारी मनोज दीक्षित ने बताया कि पंडित प्रदीप मिश्रा वर्षों से सनातन संस्कृति, धार्मिक मूल्यों और शिवभक्ति के प्रचार-प्रसार में निरंतर जुटे हुए हैं।